पाठ 3

खिलौनेवाला

कविता, और तुम

प्रश्न 1. तुम्हें किसी-न-किसी बात पर रूठने के मौके तो मिलते ही होंगे|
(क) अक्सर तुम किस तरह की बातों पर रूठती हो?
(ख) माँ के अलावा घर में और कौन-कौन हैं जो तुम्हें मनाते हैं?

उत्तर:
(क) जब मम्मी-पापा मुझे डाँटते हैं या मेरा भाई मुझे टी.वी. नहीं देखने देता है।
(ख) माँ के अलावा घर में मेरे पिताजी और दादा जी हैं। दादाजी मुझे बहुत प्यार-दुलार देते हैं।

प्रश्न 2. हम ऐसे कई त्योहार मनाते हैं जो बुराई पर अच्छाई की जीत पर बल देते हैं। ऐसे त्योहारों के बारे में और उनसे जुड़ी कहानियों के बारे में पता करके कक्षा में सुनाओ।
उत्तर: ऐसे त्योहारों में दशहरा मुख्य है। इस दिन राम ने रावण का वध करके बुराई पर अच्छाई की जीत हासिल की।
उस दिन से हर साल यह त्योहार बड़े धूमधाम से पूरे भारतवर्ष में मनाया जाता है।

प्रश्न 3. तुमने रामलीला के जरिए या फिर किसी कहानी के जरिए रामचन्द्र के बारे में जाना-समझा होगा। तुम्हें उनकी कौन-सी बातें अच्छी लगीं?
उत्तर: अपने माता-पिता के प्रति उनकी आज्ञाकारिता मुझे सबसे अच्छी लगी। इसके अतिरिक्त और भी कई गुण उनमें थे जो मुझे बहुत अच्छे लगते हैं, जैसे-उनका उच्च आदर्श, उनका त्याग, उनका धैर्य, उनकी कर्तव्यपरायणता आदि।

प्रश्न 4. नीचे दिए गए भाव कविता की जिन पंक्तियों में आए हैं, उन्हें छाँटो
(क) खिलौनेवाला साड़ी नहीं बेचता है।
(ख) खिलौनेवाला बच्चों को खिलौने लेने के लिए आवाजें लगा रहा है।
(ग) मुझे कौन-सा खिलौना लेना चाहिए-उसमें माँ की सलाह चाहिए।
(घ) माँ के बिना कौन मनाएगा और कौन गोद में बिठाएगा।

उत्तर:
(क) कभी खिलौनेवाला भी माँ
क्या साड़ी ले आता है।
(ख) नए खिलौने ले लो भैया
जोर-जोर वह रहा पुकार।
(ग) कौन खिलौने लेता हूँ मैं

तुम भी मन में करो विचार।
(घ) तो कौन मना लेगा
कौन प्यार से बिठा गोद में
मनचाही चीजें देगा।

प्रश्न 5. मूंगफली ले लो मूंगफली!
गरम करारी टाइम पास मूंगफली!'
तुमने फेरीवालों को ऐसी आवाजें लगाते ज़रूर सुना होगा। तुम्हारे गली-मोहल्ले में ऐसे कौन-से फेरीवाले आते हैं और किस ढंग से आवाज़ लगाते हैं? उनका अभिनय करके दिखाओ। वे क्या बोलते हैं, उसका भी एक संग्रह तैयार करो।
उत्तर:

- कबाड़ीवाला—कबाड़ी... कबाड़ीवाला, रद्दी पेपर वाला।
- सब्जीवाला-दस का सवा किलो आलू ले लो, हरे-भरे मटर ले लो, प्याज ले लो...।
- फलवाला-इलाहाबाद का बढ़िया-मीठा अमरूद ले लो, सेब, संतरा, चिकू... ले लो।

नोट-विद्यार्थी इसमें कुछ फेरीवाले का नाम जोड़ सकते हैं। उनका अभिनय वे घर में अपने माता-पिता के सामने करें।

खेल-खिलौने

प्रश्न 1. (क) तुम यहाँ लिखे खिलौनों में से किसे लेना पसंद करोगी। क्यों?

गेंद	हवाई जहाज़	मोटरगाड़ी
रेलगाड़ी	फिरकी	गुड़िया
बर्तन सेट	धनुष-बाण	बल्ला या कुछ और

उत्तर: मैं रेलगाड़ी लेना पसंद करूंगी क्योंकि चलते समय इससे जो 'छुक-छुक' की आवाज निकलती है, वह मुझे बेहद अच्छा लगता है।

(ख) तुम अपने साथियों के साथ कौन-कौन से खेल खेलती हो?
उत्तर: मैं अपने साथियों के साथ कबड्डी, लुका-छिपी, खो-खो, बैंडमिन्टन आदि खेल खेलती हूँ।

प्रश्न 2. खिलौनेवाला शब्द संज्ञा में 'वाला' जोड़ने से बना है। नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित हिस्सों को ध्यान से देखो और संज्ञा, क्रिया आदि पहचानो।

- <u>पानवाले</u> की दुकान आज बंद है।

- मेरी दिल्लीवाली मौसी बस कंडक्टर हैं।
- महमूद पाँच बजे वाली बस से आएगा।
- नंदू को बोलने वाली गुड़िया चाहिए।
- दाढ़ीवाला आदमी कहाँ है?
- इस सामान को ऊपर वाले कमरे में रख दो।
- मैं रात वाली गाड़ी से जम्मू जाऊँगी।

उत्तर:

- पान – संज्ञा
- दिल्ली – संज्ञा
- पाँच – विशेषण
- बोलना – क्रिया
- दाढ़ी – संज्ञा
- ऊपर – क्रिया-विशेषण
- रात – संज्ञा

तुम्हारी रामलीला
क्या तुमने रामलीला देखी है? रामलीला की किसी एक लघु-कहानी को चुनकर कक्षा में अपनी रामलीला प्रस्तुत करो।
उत्तर:
स्वयं करो।

कविता में कथा
इस कविता में तीन नाम-
राम, कौशल्या और ताड़का आए हैं।
(क) ये तीनों नाम किस प्रसिद्ध कथा के पात्र हैं?
(ख) यहीं रहूँगा कौशल्या मैं तुमको यहीं बनाऊँगा।
इन पंक्तियों का कथा से क्या संबंध है?
(ग) इस कथा के कुछ संदर्भो की बात कविता में हुई है। अपने आस-पास पूछकर इनका पता लगाओ।

- तपसी यज्ञ करेंगे, असुरों को मैं मार भगाऊँगा।
- तुम कह दोगी वन जाने को हँसते-हँसते जाऊँगा।

उत्तर:
(क) राम, कौशल्या और ताड़का-ये तीनों नाम रामायण की प्रसिद्ध कथा के पात्र हैं।
(ख) बालक स्वयं को राम और अपनी माँ को कौशल्या के रूप में देखता है। लेकिन वह राम की तरह वन जाने को तैयार नहीं है बल्कि माँ कौशल्या के पास घर में रहना चाहता है।
(ग)

- वन में तपस्या करने वाले ऋषि-मुनियों को राक्षस परेशान करते थे। उनकी शांति भंग करते थे।
- राम ने उन राक्षसों का वध किया जिसके बाद से वे फिर से शाँतिपूर्वक तपस्या करने लगे। राम ने अपने माता-पिता के आदेश पर एक आज्ञाकारी पुत्र की भाँति 14 वर्ष के लिए वन जाना। स्वीकार कर लिया।